

घरों निसदिन तुमरो ध्यान लंगुरिया
हनुमत मेरे आ जैओ

लोखों में सिन्दूर चढ़ेहों, और चढ़ेहों मेवा
लाल लंगोटा दे हों तुमखों sss
लाल लंगोटा दे हो तुमखों, कर हो तुम्हरी सेवा
दैओ सेसो हमें बरदान लंगुरिया

हनुमत मेरे-----

घरों निसदिन-----

बाल रूप कैसे मैं भुलाऊँ, तुमने सूरज खाओ
हरिचरणों को ज्ञान भयो जब sss
हरिचरणों को ज्ञान भयो जब. राम नाम गुन गाओ
मिलो सबखों तुमई से ज्ञान लंगुरिया

हनुमत मेरे-----

घरों निसदिन-----

अंजनी पुत्र यवन सुत तुमही-होरियो सबकी धीरा
तीन लोक में नाम तुम्हारे ॥३३३॥

तीन लोक में नाम तुम्हारे, मेरे हनुमत वीरा
सदा कर हों, चरणों को ध्यान लंगूरिया

हनुमत मेरे----

घरों निसदिन----

शिव शंकर के रूप तुम्ही हो, ग्यारह रूप में आये
हम दीनों के तुम हो स्वामी ॥३३३॥

हम दीनों के तुम हो स्वामी, तुमखों भूल नें पाये
आये हमें ने कबहूँ अभिमान लंगूरिया

हनुमत मेरे-----

घरों निसदिन-----

जनम-जनम को फेर मिटा के-अपनो दास बना लो
मो राम दीन न और प्रभु जी ॥३३३॥

मो राम दीन न और प्रभु जी, अपने पास बुला लो
हैं-ये दास "श्री बाबा श्री" अंजान लंगूरिया----

हनुमत मेरे-----

घरों निसदिन-----